Sample

05 Oct 1987

07:15 AM

Jeypore

Model: Web-Yearly-Horoscope-Combo

SrNo: 101-101-102-9911 / 969

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
05/10/1987	जन्म तिथि	**05/10/2019**
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	12:07:51 घंटे
घटी 03:30:07	जन्म समय(घटी)	15:42:06 घटी
India	देश	India
Jeypore	स्थान	Jeypore
उत्तर 18:52:00	अक्षांश	18:52:00 उत्तर
पूर्व 82:38:00	रेखांश	82:38:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:32	स्थानिक संस्कार	00:00:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:57	सूर्योदय	05:51:00
17:45:01	सूर्यास्त	17:44:49
23:41:09	चित्रपक्षीय अयनांश	24:07:42

तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
शतभिषा	नक्षत्र	मूल
राहु	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	4
गण्ड	योग	शोभन
तैतिल	करण	विष्टि
सू-सूरज	जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	श्वान
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मूषक
32	गत/तत्कालिक वर्ष	33

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	4	06:30:18	तुला		लग्न		धनु	12:34:28	4	मूल
हस्त	3	17:36:26	कन्या		सूर्य		कन्या	17:36:26	3	हस्त
शतभिषा	4	19:38:49	कुंभ		चंद्र		धनु	12:43:01	4	मूल
उ०फाल्गुनी	3	03:54:58	कन्या	अ	मंगल	अ	कन्या	06:34:35	3	उ०फाल्गुनी
स्वाति	2	13:07:32	तुला		बुध		तुला	08:35:32	1	स्वाति
अश्विनी	1	02:46:45	मेष	व	गुरु		वृश्चि	24:39:42	3	ज्येष्ठा
चित्रा	2	29:06:08	कन्या		शुक्र		तुला	01:36:01	3	चित्रा
ज्येष्ठा	2	22:33:31	वृश्चि		शनि		धनु	20:01:00	3	पूर्वाषाढ़ा
उ०भाद्रपद	2	08:42:30	मीन		राहु	व	मिथु	19:05:18	4	आर्द्रा
उ०फाल्गुनी	4	08:42:30	कन्या		केतु	व	धनु	19:05:18	2	पूर्वाषाढ़ा
ज्येष्ठा	4	29:30:20	वृश्चि		मु		मिथु	06:30:18	4	मृगशिरा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:42

लग्न-चलित

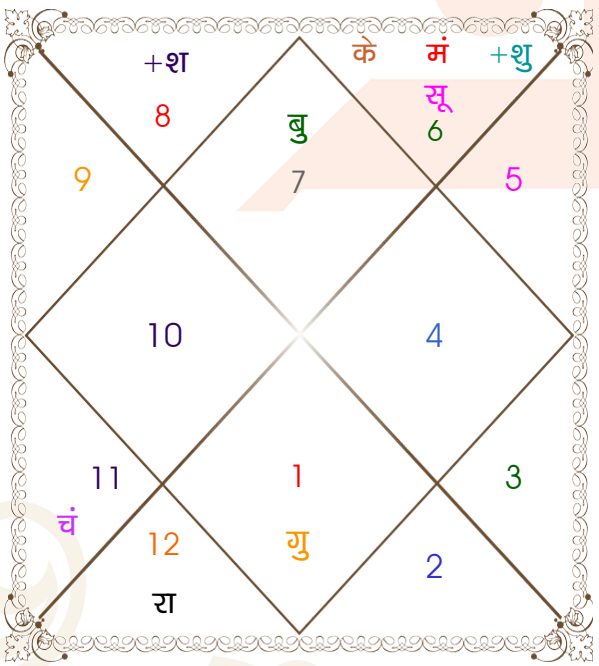

वर्ष लग्न कुंडली

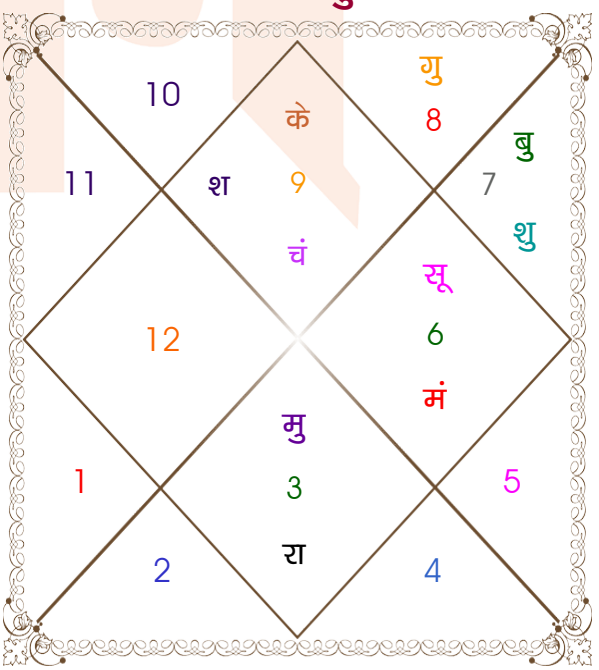

चन्द्र कुंडली

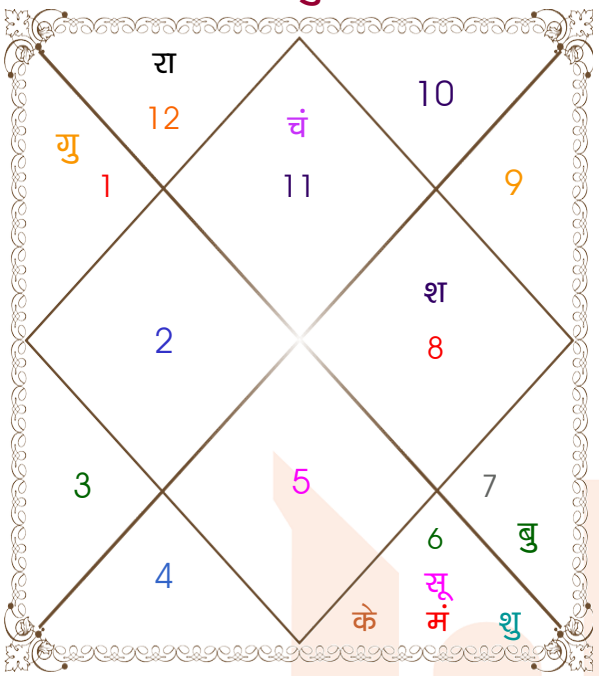

वर्ष चन्द्र कुंडली

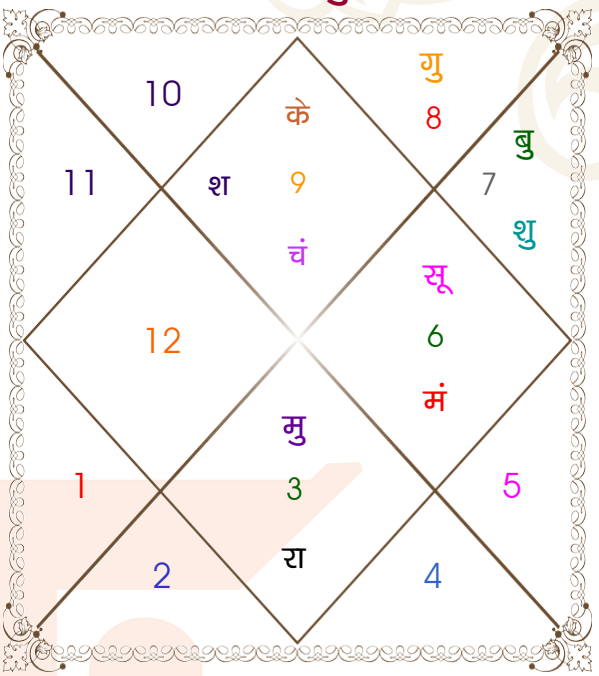

नवमांश कुंडली

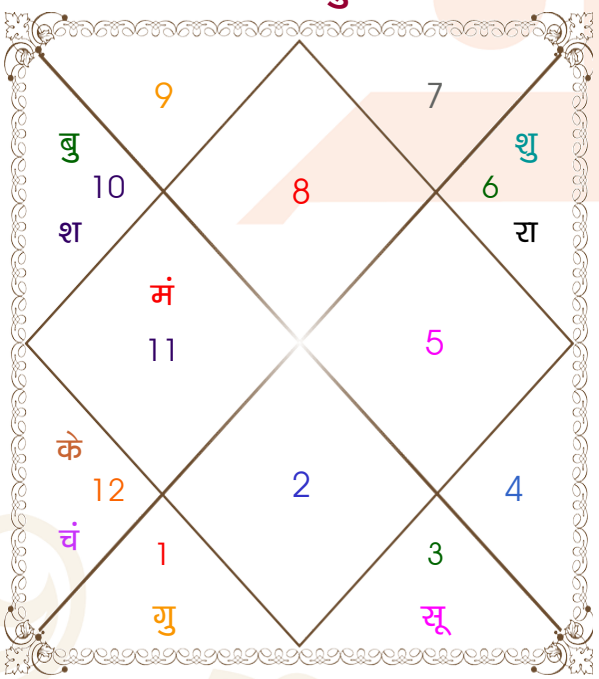

वर्ष नवमांश कुंडली

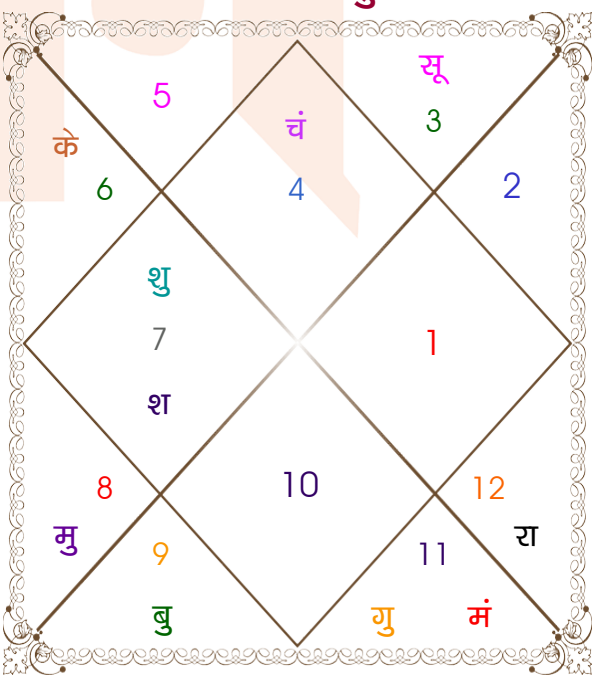

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	सम	मित्र	सम	शत्रु
बुध	सम	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	सम	मित्र	सम	---	सम	सम
शुक्र	सम	मित्र	सम	शत्रु	सम	---	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	धनु	कन्या	धनु	कन्या	तुला	वृश्चि	तुला	धनु
होरा	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	वृष	कर्क	सिंह	कर्क	वृष	कर्क	कुंभ
चतुर्थांश	मीन	मीन	मीन	कन्या	मक	सिंह	तुला	मिथु
पंचमांश	धनु	मीन	धनु	कन्या	कुंभ	वृश्चि	मेष	मिथु
षष्ठांश	मिथु	मक	मिथु	वृश्चि	वृष	कुंभ	मेष	सिंह
सप्तमांश	कुंभ	कर्क	कुंभ	मेष	धनु	तुला	तुला	मेष
अष्टमांश	सिंह	कन्या	सिंह	मिथु	मिथु	कुंभ	मेष	तुला
नवमांश	कर्क	मिथु	कर्क	कुंभ	धनु	कुंभ	तुला	तुला
दशमांश	मेष	तुला	मेष	कर्क	धनु	मीन	तुला	मिथु
एकादशांश	मीन	कुंभ	मीन	तुला	धनु	कर्क	कन्या	मिथु
द्वादशांश	वृष	मेष	वृष	वृश्चि	मक	सिंह	तुला	सिंह

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	सम	शत्रु	मित्र	स्व	सम
होरा	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	शत्रु
द्रेष्काण	सम	स्व	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	स्व
चतुर्थांश	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	स्व	मित्र
पंचमांश	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	सम	सम	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	शत्रु	स्व	सम	सम	स्व	शत्रु
अष्टमांश	सम	शत्रु	सम	स्व	सम	सम	मित्र
नवमांश	सम	स्व	शत्रु	सम	सम	स्व	मित्र
दशमांश	सम	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	स्व	मित्र
एकादशांश	शत्रु	सम	सम	सम	सम	शत्रु	मित्र
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु
शुभ	3	4	3	5	6	7	7
सम	5	4	5	5	6	4	1
अशुभ	4	4	4	2	0	1	4
कुल	अशुभ	सम	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	5	5	5	0	5	0	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	10	0	10	5	5
बल	सामान्य	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	15.00	7.50	22.50	30.00	15.00
उच्च बल	2.49	4.41	4.29	17.38	4.48	0.51	13.33
हददा बल	11.25	11.25	7.50	15.00	7.50	11.25	11.25
द्रेष्काण	5.00	10.00	2.50	7.50	5.00	7.50	10.00
नवमांश	2.50	5.00	1.25	2.50	2.50	5.00	3.75
कुल	36.24	45.66	30.54	49.88	41.98	54.26	53.33
विंशोपक	9.06	11.42	7.63	12.47	10.50	13.57	13.33
बल	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	13.57	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	गुरु	10.50	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	12.47	शुभ	शुक्र
दिवापति	बुध	12.47	शुभ	
त्रिराशिपति	शनि	13.33	दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	मीन	07:41:03	गुरु	26/01/2020
गुरु	तुला	17:27:53	शुक्र	17/10/2019
ज्ञान	तुला	17:27:53	शुक्र	17/10/2019
यश	कन्या	29:33:07	बुध	19/08/2020
मित्र	वृष	11:22:51	शुक्र	23/05/2020
माहात्म्य	मिथुन	13:40:57	बुध	28/06/2020
आशा	मीन	00:59:27	गुरु	19/01/2020
समर्थ	मेष	00:39:36	मंगल	09/05/2020
भातृ	धनु	17:13:11	गुरु	23/10/2019
गौरव	सिंह	29:33:07	सूर्य	08/10/2020
राजा	मीन	14:59:02	गुरु	03/02/2020
पितृ	मीन	14:59:02	गुरु	03/02/2020
मातृ	कुम्भ	23:41:28	शनि	13/12/2019
सुत	धनु	24:31:09	गुरु	30/10/2019
जीव	मकर	07:55:46	शनि	22/10/2019
अम्बु	कुम्भ	23:41:28	शनि	13/12/2019
कर्म	वृश्चिक	10:33:31	मंगल	23/11/2019
रोग	धनु	12:25:56	गुरु	19/10/2019
कामदेव	मकर	00:37:47	शनि	15/10/2019
कलि	मेष	00:39:36	मंगल	09/05/2020
क्षेम	मेष	00:39:36	मंगल	09/05/2020
शास्त्र	कन्या	13:14:14	बुध	05/08/2020
बन्धु	वृश्चिक	08:26:59	मंगल	22/11/2019
बंधक	कुम्भ	16:41:58	शनि	06/12/2019
मृत्यु	कर्क	23:20:08	चन्द्र	07/06/2020

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	वृश्चिक	14:27:53	मंगल	26/11/2019
अर्थ	कुम्भ	08:35:38	शनि	27/11/2019
परदारा	मकर	26:34:04	शनि	10/11/2019
अन्यकर्म	धनु	05:16:30	गुरु	13/10/2019
वणिक	कुम्भ	16:41:58	शनि	06/12/2019
कार्यसिद्धि	मकर	11:00:06	शनि	25/10/2019
विवाह	तुला	24:09:30	शुक्र	22/10/2019
प्रसूति	कुम्भ	28:38:39	शनि	19/12/2019
संताप	मिथुन	23:20:08	बुध	08/07/2020
श्रद्धा	कुम्भ	07:35:55	शनि	26/11/2019
प्रीति	सिंह	22:21:18	सूर्य	01/10/2020
बल	कन्या	29:33:07	बुध	19/08/2020
देह	कन्या	29:33:07	बुध	19/08/2020
जाडय	कर्क	25:09:07	चन्द्र	09/06/2020
व्यापार	वृश्चिक	10:33:31	मंगल	23/11/2019
जलपतन	कर्क	25:09:07	चन्द्र	09/06/2020
शत्रु	कन्या	29:08:03	बुध	19/08/2020
शौर्य	मिथुन	13:40:57	बुध	28/06/2020
उपाय	मकर	07:55:46	शनि	22/10/2019
दरिद्रता	मीन	07:41:03	गुरु	26/01/2020
गुरुता	कर्क	04:58:02	चन्द्र	17/05/2020
जलपथ	सिंह	07:33:29	सूर्य	15/09/2020
बंधन	मेष	00:14:32	मंगल	08/05/2020
कन्या	वृश्चिक	01:27:29	मंगल	16/11/2019
अश्व	मेष	09:34:28	मंगल	18/05/2020

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

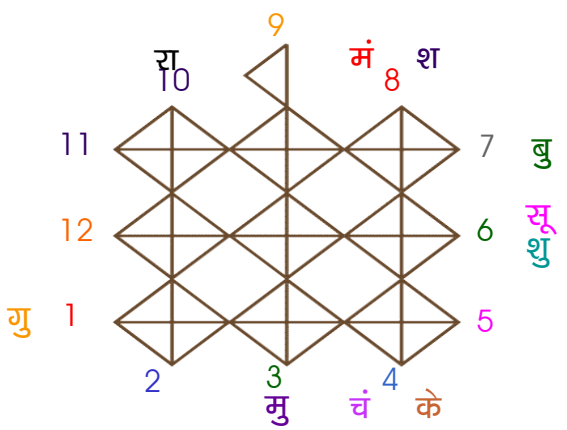

पात्यंश दशा

शुक्र		मंगल		बुध		लग्न		चंद्र	
05/10/2019		29/10/2019		10/01/2020		09/02/2020		08/04/2020	
29/10/2019		10/01/2020		09/02/2020		08/04/2020		10/04/2020	
शुक्र	07/10/2019	मंगल	13/11/2019	बुध	13/01/2020	लग्न	19/02/2020	चंद्र	08/04/2020
मंगल	11/10/2019	बुध	19/11/2019	लग्न	18/01/2020	चंद्र	19/02/2020	सूर्य	09/04/2020
बुध	13/10/2019	लग्न	01/12/2019	चंद्र	18/01/2020	सूर्य	02/03/2020	शनि	09/04/2020
लग्न	17/10/2019	चंद्र	01/12/2019	सूर्य	24/01/2020	शनि	08/03/2020	गुरु	09/04/2020
चंद्र	17/10/2019	सूर्य	16/12/2019	शनि	27/01/2020	गुरु	19/03/2020	शुक्र	09/04/2020
सूर्य	22/10/2019	शनि	23/12/2019	गुरु	01/02/2020	शुक्र	23/03/2020	मंगल	10/04/2020
शनि	24/10/2019	गुरु	06/01/2020	शुक्र	03/02/2020	मंगल	03/04/2020	बुध	10/04/2020
गुरु	29/10/2019	शुक्र	10/01/2020	मंगल	09/02/2020	बुध	08/04/2020	लग्न	10/04/2020

सूर्य		शनि		गुरु		शुक्र	
10/04/2020		22/06/2020		27/07/2020		04/10/2020	
22/06/2020		27/07/2020		04/10/2020		00/00/0000	
सूर्य	25/04/2020	शनि	25/06/2020	गुरु	09/08/2020	शुक्र	04/10/2020
शनि	02/05/2020	गुरु	02/07/2020	शुक्र	14/08/2020		00/00/0000
गुरु	15/05/2020	शुक्र	04/07/2020	मंगल	28/08/2020		00/00/0000
शुक्र	20/05/2020	मंगल	11/07/2020	बुध	02/09/2020		00/00/0000
मंगल	04/06/2020	बुध	14/07/2020	लग्न	13/09/2020		00/00/0000
बुध	10/06/2020	लग्न	20/07/2020	चंद्र	14/09/2020		00/00/0000
लग्न	21/06/2020	चंद्र	20/07/2020	सूर्य	28/09/2020		00/00/0000
चंद्र	22/06/2020	सूर्य	27/07/2020	शनि	04/10/2020		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
05/10/2019		05/12/2019		23/12/2019		23/01/2020		13/02/2020	
05/12/2019		23/12/2019		23/01/2020		13/02/2020		08/04/2020	
शुक्र	15/10/2019	सूर्य	06/12/2019	चंद्र	26/12/2019	मंगल	24/01/2020	राहु	21/02/2020
सूर्य	18/10/2019	चंद्र	07/12/2019	मंगल	27/12/2019	राहु	27/01/2020	गुरु	28/02/2020
चंद्र	23/10/2019	मंगल	08/12/2019	राहु	01/01/2020	गुरु	30/01/2020	शनि	08/03/2020
मंगल	27/10/2019	राहु	11/12/2019	गुरु	05/01/2020	शनि	02/02/2020	बुध	16/03/2020
राहु	05/11/2019	गुरु	14/12/2019	शनि	10/01/2020	बुध	05/02/2020	केतु	19/03/2020
गुरु	13/11/2019	शनि	16/12/2019	बुध	14/01/2020	केतु	06/02/2020	शुक्र	28/03/2020
शनि	23/11/2019	बुध	19/12/2019	केतु	16/01/2020	शुक्र	10/02/2020	सूर्य	31/03/2020
बुध	01/12/2019	केतु	20/12/2019	शुक्र	21/01/2020	सूर्य	11/02/2020	चंद्र	04/04/2020
केतु	05/12/2019	शुक्र	23/12/2019	सूर्य	23/01/2020	चंद्र	13/02/2020	मंगल	08/04/2020

गुरु		शनि		बुध		केतु		शुक्र	
08/04/2020		26/05/2020		23/07/2020		13/09/2020		04/10/2020	
26/05/2020		23/07/2020		13/09/2020		04/10/2020		00/00/0000	
गुरु	14/04/2020	शनि	05/06/2020	बुध	31/07/2020	केतु	14/09/2020	शुक्र	04/10/2020
शनि	22/04/2020	बुध	13/06/2020	केतु	03/08/2020	शुक्र	18/09/2020		00/00/0000
बुध	29/04/2020	केतु	16/06/2020	शुक्र	11/08/2020	सूर्य	19/09/2020		00/00/0000
केतु	02/05/2020	शुक्र	26/06/2020	सूर्य	14/08/2020	चंद्र	21/09/2020		00/00/0000
शुक्र	10/05/2020	सूर्य	29/06/2020	चंद्र	18/08/2020	मंगल	22/09/2020		00/00/0000
सूर्य	12/05/2020	चंद्र	03/07/2020	मंगल	21/08/2020	राहु	25/09/2020		00/00/0000
चंद्र	16/05/2020	मंगल	07/07/2020	राहु	29/08/2020	गुरु	28/09/2020		00/00/0000
मंगल	19/05/2020	राहु	15/07/2020	गुरु	05/09/2020	शनि	01/10/2020		00/00/0000
राहु	26/05/2020	गुरु	23/07/2020	शनि	13/09/2020	बुध	04/10/2020		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - राहु - शुक्र		शनि - राहु - सूर्य		शनि - राहु - चंद्र		शनि - राहु - मंगल	
06/09/2019 19:31		27/02/2020 07:22		19/04/2020 08:31		15/07/2020 02:27	
27/02/2020 07:22		19/04/2020 08:31		15/07/2020 02:27		13/09/2020 19:48	
शुक्र	05/10/2019 17:30	सूर्य	29/02/2020 21:50	चंद्र	26/04/2020 14:01	मंगल	18/07/2020 15:28
सूर्य	14/10/2019 09:41	चंद्र	05/03/2020 05:55	मंगल	01/05/2020 15:28	राहु	27/07/2020 18:04
चंद्र	28/10/2019 20:40	मंगल	08/03/2020 06:47	राहु	14/05/2020 15:45	गुरु	04/08/2020 20:22
मंगल	07/11/2019 23:34	राहु	16/03/2020 02:10	गुरु	26/05/2020 05:20	शनि	14/08/2020 11:07
राहु	04/12/2019 00:08	गुरु	23/03/2020 00:43	शनि	08/06/2020 22:59	बुध	23/08/2020 01:35
गुरु	27/12/2019 03:19	शनि	31/03/2020 06:30	बुध	21/06/2020 05:55	केतु	26/08/2020 14:35
शनि	23/01/2020 14:36	बुध	07/04/2020 15:28	केतु	26/06/2020 07:22	शुक्र	05/09/2020 17:29
बुध	17/02/2020 04:29	केतु	10/04/2020 16:20	शुक्र	10/07/2020 18:21	सूर्य	08/09/2020 18:21
केतु	27/02/2020 07:22	शुक्र	19/04/2020 08:31	सूर्य	15/07/2020 02:27	चंद्र	13/09/2020 19:48

शनि - गुरु - गुरु		शनि - गुरु - शनि		शनि - गुरु - बुध		शनि - गुरु - केतु	
13/09/2020 19:48		15/01/2021 04:45		10/06/2021 16:54		19/10/2021 18:55	
15/01/2021 04:45		10/06/2021 16:54		19/10/2021 18:55		12/12/2021 18:20	
गुरु	30/09/2020 06:35	शनि	07/02/2021 09:29	बुध	29/06/2021 06:35	केतु	22/10/2021 22:29
शनि	19/10/2020 19:25	बुध	28/02/2021 03:36	केतु	06/07/2021 22:06	शुक्र	31/10/2021 22:23
बुध	06/11/2020 06:53	केतु	08/03/2021 16:42	शुक्र	28/07/2021 18:26	सूर्य	03/11/2021 15:09
केतु	13/11/2020 11:36	शुक्र	02/04/2021 02:44	सूर्य	04/08/2021 07:44	चंद्र	08/11/2021 03:06
शुक्र	04/12/2020 01:06	सूर्य	09/04/2021 10:32	चंद्र	15/08/2021 05:54	मंगल	11/11/2021 06:40
सूर्य	10/12/2020 05:09	चंद्र	21/04/2021 15:33	मंगल	22/08/2021 21:25	राहु	19/11/2021 08:59
चंद्र	20/12/2020 11:53	मंगल	30/04/2021 04:39	राहु	11/09/2021 13:20	गुरु	26/11/2021 13:43
मंगल	27/12/2020 16:37	राहु	22/05/2021 04:05	गुरु	29/09/2021 00:48	शनि	05/12/2021 02:49
राहु	15/01/2021 04:45	गुरु	10/06/2021 16:54	शनि	19/10/2021 18:55	बुध	12/12/2021 18:20

शनि - गुरु - शुक्र		शनि - गुरु - सूर्य		शनि - गुरु - चंद्र		शनि - गुरु - मंगल	
12/12/2021 18:20		15/05/2022 23:32		01/07/2022 05:54		16/09/2022 08:30	
15/05/2022 23:32		01/07/2022 05:54		16/09/2022 08:30		09/11/2022 07:55	
शुक्र	07/01/2022 11:12	सूर्य	18/05/2022 07:03	चंद्र	07/07/2022 16:07	मंगल	19/09/2022 12:04
सूर्य	15/01/2022 04:16	चंद्र	22/05/2022 03:35	मंगल	12/07/2022 04:04	राहु	27/09/2022 14:22
चंद्र	28/01/2022 00:42	मंगल	24/05/2022 20:21	राहु	23/07/2022 17:39	गुरु	04/10/2022 19:06
मंगल	06/02/2022 00:36	राहु	31/05/2022 18:55	गुरु	03/08/2022 00:24	शनि	13/10/2022 08:12
राहु	01/03/2022 03:47	गुरु	06/06/2022 22:57	शनि	15/08/2022 05:25	बुध	20/10/2022 23:43
गुरु	21/03/2022 17:16	शनि	14/06/2022 06:46	बुध	26/08/2022 03:35	केतु	24/10/2022 03:17
शनि	15/04/2022 03:18	बुध	20/06/2022 20:04	केतु	30/08/2022 15:32	शुक्र	02/11/2022 03:12
बुध	06/05/2022 23:38	केतु	23/06/2022 12:50	शुक्र	12/09/2022 11:58	सूर्य	04/11/2022 19:58
केतु	15/05/2022 23:32	शुक्र	01/07/2022 05:54	सूर्य	16/09/2022 08:30	चंद्र	09/11/2022 07:55

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी भविष्यत् शीघ्र गति ग्रह सूर्य (कन्या 17:36:26), एवं मन्दगति ग्रह गुरु (वृश्चि 24:39:42), के मध्य है।

वर्ष कुडंली में यह योग अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता का सूचक माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इस वर्ष में आपकी भाग्योन्नति होगी तथा विगत रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे। कार्य क्षेत्र में इस समय उन्नति के योग बनेंगे तथा कोई सम्मान या प्रसिद्धि भी प्राप्त होगी। राजनीति में सक्रिय लोगों को इस समय राजनैतिक लाभ की प्राप्ति होगी। विद्यार्थियों के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ होगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। ऐसे समय में आप मकान वाहन आदि का सुख भी अजित करेंगे तथा अन्य आधुनिक सुख साधन भी उपलब्ध होंगे। अतः इस वर्ष में प्राप्त सुअवसरों का आपको यत्नपूर्वक सदुपयोग करना चाहिए जिससे आपका भविष्य उज्ज्वल होगा।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग गुरु तथा शनि के मध्य है क्योंकि सूर्य शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

मणऊ योग गुरु और सूर्य के मध्य बन रहा है क्योंकि शनि की सूर्य पर दृष्टि है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आपको संतति से सुख एवं सन्तुष्टि की प्राप्ति होगी तथा जो सन्तान की अपेक्षा कर रहे है उन्हे पुत्र सन्तति की प्राप्ति होगी। उच्चशिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए यह योग अत्यन्त ही शुभ फल प्रदान करेगा तथा इसके प्रभाव से शिक्षा में वांछित सफलता अर्जित करेंगे। राज्यकारक सूर्य के प्रभाव से इस समय राजनैतिक क्षेत्रों में सक्रिय व्यक्तियों को राज्य लाभ अथवा कोई उच्चधिकार प्राप्त पद की प्राप्ति होगी। सामान्य जनों को इस समय सरकार या उच्चधिकारी वर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग गुरु और सूर्य के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का सूर्य से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित

करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

रदद योग की सृष्टि गुरु एवं सूर्य के मध्य हो रही है क्योंकि सूर्य सूर्य से युक्त है

इस योग के शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति में अत्यन्त ही सुदृढ़ता आएगी तथा आय पूर्ण होगी। इस समय आपकी महत्वाकांक्षाएं भी पूर्ण होगी एवं अधिकार सम्पन्न लोंगों से सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण रुके हुए कार्य आसानी से सम्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपको अचानक धन लाभ के भी बनते है। साथ ही किसी जायदाद की प्राप्ति भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त ज्योतिष एवं पराविद्या के क्षेत्र में आपका रुझान हो सकता है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूर्ति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्धुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट की आपको अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा इसमें चंचलता तथा उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा परन्तु आप यथाशक्ति उनको अपना सहयोग प्रदान करने के लिए यत्नशील रहेंगे। भाग्यबल की इस समय अल्पता रहेगी फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होगी तथा परिश्रम भी अधिक करना पड़ेगा। इसके साथ ही मानसिक संकल्प एवं आशाओं में भी आप को न्यूनाधिक सफलता ही मिलेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता अर्जित करने के लिए वर्ष मध्यम रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा लाभ अर्जित करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा फिर भी आपको इससे सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति संबधी व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी होगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश इस वर्ष में मध्यम रहेगा तथा सामाजिक जनों से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथापि यदा कदा वे आपके प्रभाव को अवश्य स्वीकार करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में ही धन एवं लाभ प्राप्त होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी न्यूनता रहेगी फलतः यदा कदा आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अतः ऐसे समय को आपको धैर्य तथा बुद्धिमता से व्यतीत करना चाहिए।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं मन में व्याकुलता तथा अशान्ति रहेगी। इस वर्ष संतति पक्ष से चिन्तित तथा परेशान रहेंगे एवं उनसे आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग प्राप्त नहीं होगा साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। शत्रु एवं विरोधी पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। इस समय भौतिक सुख संसाधनों की अल्पता रहेगी तथा यात्रा आदि में व्यय तथा हानि की संभावना बनेगी। अतः लम्बी दूरी की यात्रा की इस समय उपेक्षा करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई विशेष सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा तथा परस्पर संबंधों में कटुता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा व्यापार में आपको बाधाओं तथा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही हानि की संभावना रहेगी तथा लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति में व्यवधान होगा तथा इसमें विलम्ब भी होगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे फलतः इनसे भी परेशानी होगी। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए । आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा व्यय अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा परेशानी हो सकती है। अतः वर्ष की अशुभता को देखते हुए बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

प्रथम मास

05/10/2019 12:07:51 से 04/11/2019 16:46:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	12:34:28
सूर्य		कन्या	हस्त	17:36:26
चन्द्र		धनु	मूल	12:43:01
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:34:35
बुध		तुला	स्वाति	08:35:32
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:39:42
शुक्र		तुला	चित्रा	01:36:01
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:01:00
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	19:05:18
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:05:18
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	06:30:18

मासाधिपति

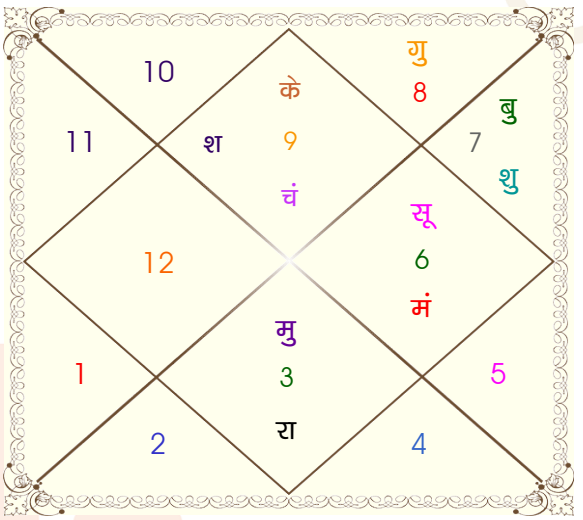

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

04/11/2019 16:46:34 से 04/12/2019 10:38:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	07:22:34
सूर्य		तुला	स्वाति	17:36:26
चन्द्र		मकर	श्रवण	18:01:11
मंगल		कन्या	चित्रा	26:08:38
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	02:25:22
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:53:51
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	09:07:32
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:32:42
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	16:12:21
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:12:21
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	09:00:18

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

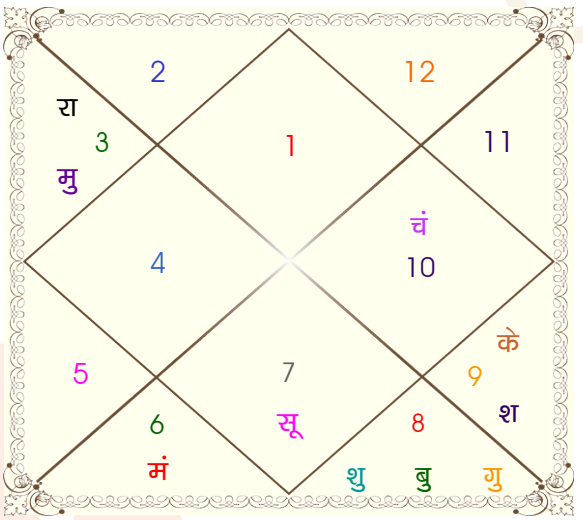

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्रप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्रप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

तृतीय मास

04/12/2019 10:38:54 से 02/01/2020 22:13:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	20:10:09
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:36:26
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	16:47:00
मंगल		तुला	स्वाति	15:42:14
बुध		तुला	विशाखा	28:40:09
गुरु		धनु	मूल	06:11:35
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:01:28
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:10:42
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	14:36:43
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:36:43
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	11:30:18

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

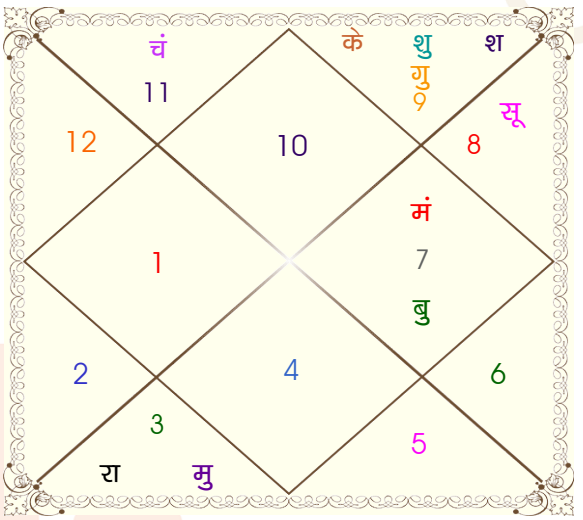

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रुधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास

02/01/2020 22:13:02 से 01/02/2020 09:27:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:49:48
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:36:26
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	12:09:15
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	05:23:38
बुध		धनु	मूल	12:55:51
गुरु		धनु	मूल	12:55:45
शुक्र		मकर	श्रवण	22:21:22
शनि		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:27:43
राहु		मिथुन	आर्द्रा	14:15:01
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:15:01
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	14:00:18

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

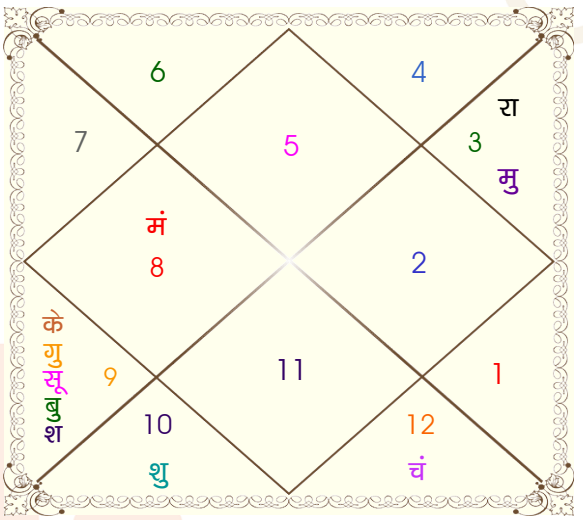

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास

01/02/2020 09:27:42 से 02/03/2020 02:26:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	09:34:05
सूर्य		मकर	श्रवण	17:36:26
चन्द्र		मेष	अश्विनी	07:36:45
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:22:26
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	02:07:23
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:34:19
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:58:48
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:55:46
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	13:40:28
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:40:28
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	16:30:18

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

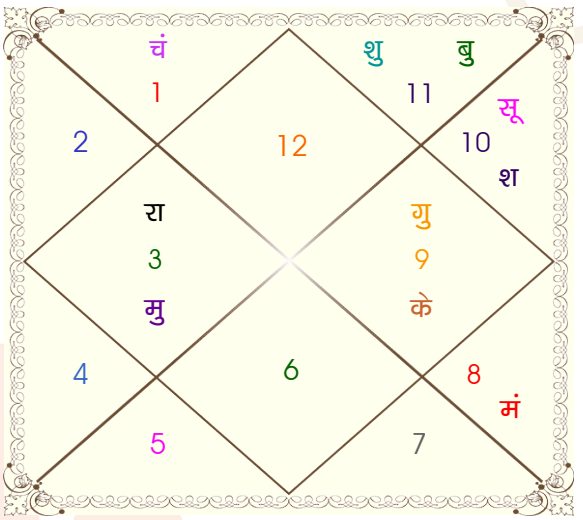

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

02/03/2020 02:26:09 से 01/04/2020 05:49:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:32:39
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	17:36:26
चन्द्र		वृष	कृतिका	06:40:44
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:47:11
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	07:51:21
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:34:16
शुक्र		मेष	अश्विनी	02:16:11
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:06:54
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	11:39:02
केतु	व	धनु	मूल	11:39:02
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	19:00:18

मासाधिपति

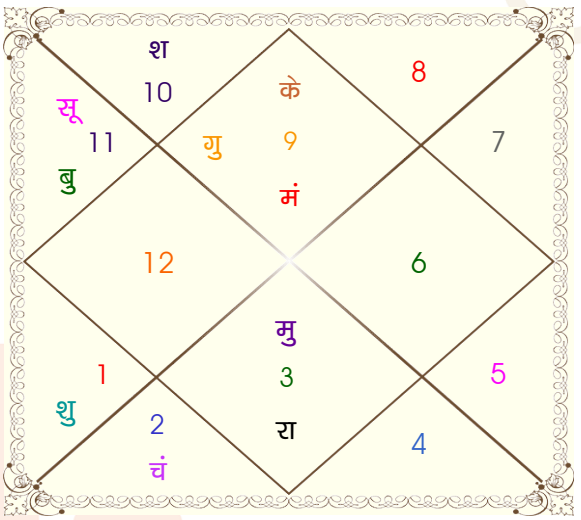

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

सप्तम् मास
01/04/2020 05:49:39 से 01/05/2020 21:43:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	15:16:33
सूर्य		मीन	रेवती	17:36:26
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	12:35:48
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:41:37
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:09:59
गुरु		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:15:49
शुक्र		वृष	कृतिका	03:23:32
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:32:25
राहु		मिथुन	आर्द्रा	08:35:47
केतु		धनु	मूल	08:35:47
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	21:30:18

मासाधिपति

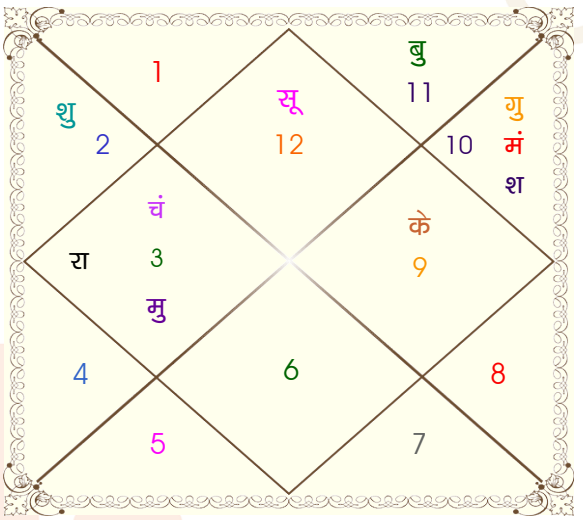

मासाधिपति : शुक्र

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

01/05/2020 21:43:06 से 02/06/2020 00:51:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	03:31:08
सूर्य		मेष	भरणी	17:36:26
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	28:02:46
मंगल		मकर	धनिष्ठा	27:57:50
बुध		मेष	भरणी	13:49:57
गुरु		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:50:32
शुक्र		वृष	मृगशिरा	25:15:37
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:44:53
राहु	व	मिथुन	मृगशिरा	06:07:44
केतु	व	धनु	मूल	06:07:44
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	24:00:18

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

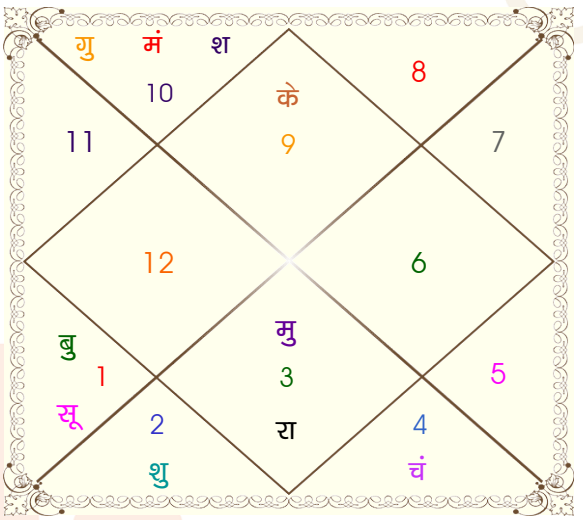

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम् मास

02/06/2020 00:51:28 से 03/07/2020 10:47:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:51:12
सूर्य		वृष	रोहिणी	17:36:26
चन्द्र		कन्या	हस्त	23:13:07
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	19:05:45
बुध		मिथुन	आर्द्रा	10:54:47
गुरु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	02:34:59
शुक्र	व	वृष	रोहिणी	20:40:07
शनि	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	07:26:45
राहु	व	मिथुन	मृगशिरा	05:03:42
केतु	व	धनु	मूल	05:03:42
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	26:30:18

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

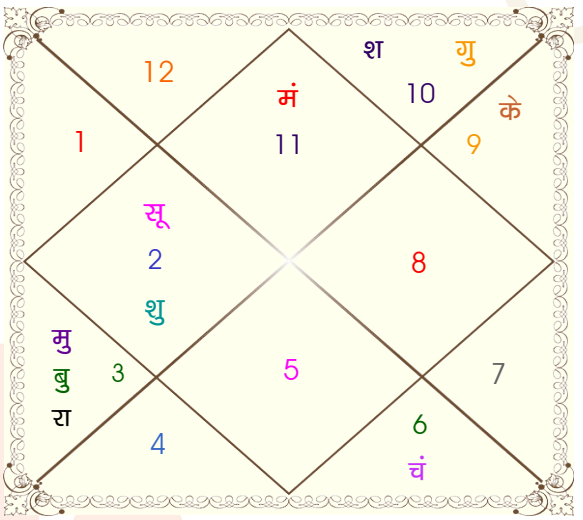

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

दशम् मास
03/07/2020 10:47:43 से 03/08/2020 21:04:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:56:12
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	17:36:26
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:15:30
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	08:56:30
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	14:22:02
गुरु	व	धनु	उत्तराषाढ़ा	29:36:32
शुक्र		वृष	रोहिणी	12:20:40
शनि	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	05:46:39
राहु		मिथुन	मृगशिरा	04:59:50
केतु		धनु	मूल	04:59:50
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	29:00:18

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

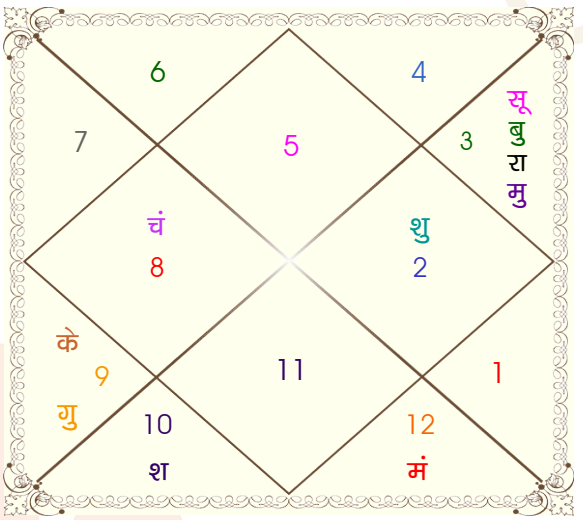

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास

03/08/2020 21:04:06 से 04/09/2020 01:07:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	04:21:45
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	17:36:26
चन्द्र		मकर	श्रवण	17:24:17
मंगल		मीन	रेवती	25:13:30
बुध		कर्क	पुनर्वसु	03:04:20
गुरु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:42:06
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	02:17:30
शनि	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	03:30:08
राहु	व	मिथुन	मृगशिरा	04:19:45
केतु	व	धनु	मूल	04:19:45
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	01:30:18

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

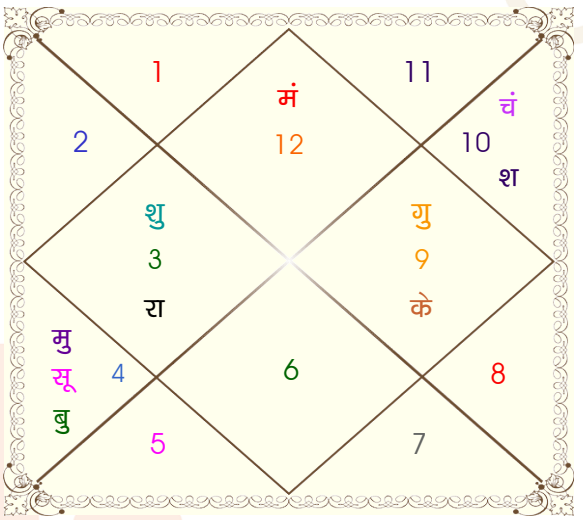

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

04/09/2020 01:07:49 से 04/10/2020 18:16:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	14:01:54
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:36:26
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:29:25
मंगल		मेष	अश्विनी	03:43:46
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:34:53
गुरु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:24:05
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	03:10:04
शनि	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:42:48
राहु	व	मिथुन	मृगशिरा	01:42:21
केतु	व	धनु	मूल	01:42:21
मुंथा		कर्क	पुष्य	04:00:18

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

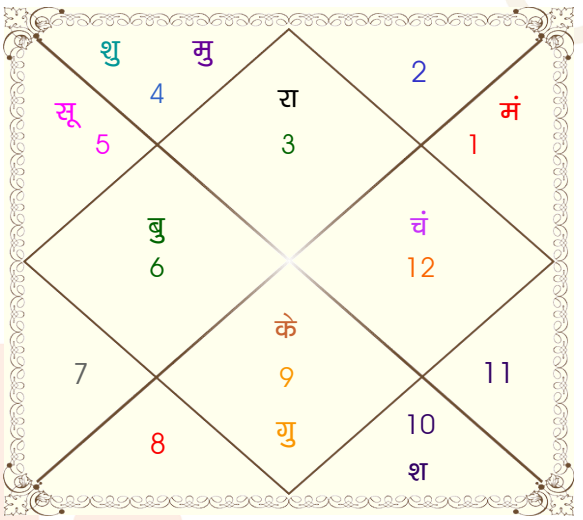

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।

वार्षिक फलादेश - 2020

इस वर्ष शनि 24 जनवरी को मकर राशि में चतुर्थ भाव में प्रवेश रहेंगे। वर्ष के प्रारम्भ में राहु मिथुन में नवम भाव में होंगे और 19 सितम्बर के बाद वृष राशि में अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। 30 मार्च को गुरू मकर राशि में चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे एवं वक्री होकर 30 जून को धनु राशि में तृतीय़ भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 20 नवम्बर को मकर राशि में चतुर्थ भाव में आजाएंगे। 31 मई से 8 जुन तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। दशम भाव पर शनि की दृष्टि से कार्य क्षेत्र में साधारण परेशानी हो सकती है जिससे आप अपने कामों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगें। 30 मार्च से जून पर्यन्तदशम स्थान पर गुरू एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है।

29 जून के बाद फिर से समय सामान्य हो जाएगा। इस समय बड़ा व्यापार प्रारम्भ न करें। यदि करना जरूरी हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य फलदायक रहेगा। वर्षारंभ में एकादश स्थान पर गुरू ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धनागम में निरन्तरता बनी रहेगी। जिससे पुराने चले आ रहे कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है।

घर परिवार में मांगलिक कार्य में धन खर्च होगा।30 मार्च से जून पर्यन्तचतुर्थ स्थान में गुरू एवं शनि का युति प्रभाव से आपको भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सामान्ययोग बन रहा है।

घर-परिवार, समाज

यह वर्ष आपकी पारिवारिक स्थिति के लिए उतार चढ़ाव वाला रहेगा।परिवार में किसी बडे व्यक्ति से वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। 30 मार्च से जून पर्यन्तचतुर्थ स्थान में गुरू एवं शनि की युति प्रभाव से आपका पारिवारिक माहौल अनुकूल हो जाएगा।

29 मार्च के बाद परिवार मे कुछ विषम परिस्थितिया उत्पन्न हो सकती है। परन्तु उस समय के अंतराल आपको सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। वो अपने बौद्धिक बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

पंचम स्थान पर राहु की दृष्टि बच्चोंके स्वास्थ्य के लिए कुछ चिन्ताकारक है। यदि आपकी द्वितीय संतान विवाह के योग्य है तो उनका विवाह संस्कार हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। लग्न स्थान पर शनि एवं राहु की संयुक्त दृष्टि के कारण स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिलेगा। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर दर्द एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है।

स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। यदि आप आयुर्वेद जड़ी-बूटी और योगाभ्यास आदि का सहारा लें तो जल्दी लाभ मिलेगा। सूर्योदय से पहले उठ कर सैर करना लाभ प्रद रहेगा। 19 सितम्बर के बाद स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य अनुकूल रहेगा। यदि आप नौकरी पाने के लिए या किसी बड़े संस्थान में प्रवेश पाने के लिए किसी प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने जा रहे हैं तो आपको संघर्षात्मक परिस्थितियों में सफलता मिलेगी।

अध्ययन के प्रति आपकी रूचि बढ़ेगी परन्तु आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

यात्रा-तबादला

इस वर्ष यात्राएं काफी होंगी परन्तु यात्रा के दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक रहेगा। आप तीर्थ यात्रा पर निकलेंगे।

30 मार्च के बाद विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा।नवम स्थान का राहु धार्मिक कार्यों में व्यवधान डाल रहे हैं। मन की एकाग्रता के लिए दुर्गा पूजा करें।

- सूर्योदय से पहले उठ कर प्रत्येक दिन को सूर्य को जल दे।
- काली वस्तुओं का दान करें एवं ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः इस मन्त्र का पाठ करें।
- दुर्गा बीसा कवच अपने गले में धारण करें।
- दुर्गा कवच का नियमित रूप से नित्य प्रति पाठ करें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

फरवरी 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

मार्च 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ

फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

अप्रैल 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

मई 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने

मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

जून 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

जुलाई 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त

करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

अगस्त 2020 के लिए फलादेश

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र, नौकरी या व्यापार में उन्नति होगी तथा समाजिक क्षेत्र में यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा वे सभी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा परस्पर आपको उचित सहयोग मिलता रहेगा। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जो काफी समय से रुके हुए थे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धुबान्धवों में भी आदर एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। साथ ही आप अपनी असफल आशाओं में भी इस समय सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरक्त मानसिक रूप से भी आप पूर्ण शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः सावधानी पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें एवं शारीरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

सितम्बर 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

अक्तूबर 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के

लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

नवम्बर 2020 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

दिसम्बर 2020 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे

जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

इस वर्ष शनि मकर राशि में चतुर्थ भाव में और राहु वृष राशि में अष्टम भाव में रहेंगे। 6 अप्रैल को गुरु कुम्भ राशि में पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 सितम्बर को मकर राशि में चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और मार्गी होकर फिर से 20 नवम्बर को कुम्भ राशि में पंचम भाव में आजाएंगे। मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 17 फरवरी से 19 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा रहेगा। दशम स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपके अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। समय-समय पर उच्चाधिकारियों से लाभ भी प्राप्त होता रहेगा। कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर आप अपनी समस्याओं का समाधान भी निकाल लेंगे।

आप दैनिक कार्यों में स्फूर्तिवान बने रहेंगे और कार्यक्षेत्र में अच्छा करते रहेंगे। नौकरी वालों की पदोन्नती होने केप्रबल योग बने हुए हैं। 6 अप्रैल से 14 सितम्बर तक आपका व्यवसाय और अच्छा हो जायेगा। परामर्श कार्यों में सफलता हासिल होगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। धनागम में निरंतरता बनी रहेगी लेकिन पारिवारिक खर्च अधिक होने के कारण बचत नहीं कर पायेंगे। चतुर्थ स्थान पर शनि एवं गुरु के प्रभाव से पारिवारिक सुख सुबिधा एवं भूमि, भवन व वाहन इत्यादि पर निवेश होगा।

यदि किसी भी व्यापार में धन निवेश करेंगे तो उसमें लाभ मिलेगा परन्तु निवेश के मामले में जोखिम उठाने से बचें। आपके अन्दर परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपको धनार्जन में सहायता मिलेगी। 6 अप्रैल के बाद समय और अनुकूल होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। वर्षारम्भ में चतुर्थ स्थान पर शनि एवं की गुरु युति से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त होगा तथा परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे।

6 अप्रैल से 14 सितम्बर के अंतरालमें सन्तान के मामले में अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। परन्तु 6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में होगा। उस समय नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आपके बच्चों की उन्नति होगी।

प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। यदि आप का बच्चा विवाह के योग्य है तो उसका विवाह संस्कार हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। कभी-कभी मौसम जनित बीमारियों से परेशान हो रहे हैं तो जल्दी ही आप अच्छे हो जाएंगे। 6 अप्रैल के बाद लग्न स्थान पर गुरू ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमताओं तथा व्यक्तित्व विकास सम्बन्धी गतिविधियों जैसे शाकाहारी भोजन, योगासन व व्यायाम आदि में रुचि बढ़ेगी।

14 सितम्बर के बाद कुछ मानसिक तनाव रह सकता है तथा अष्टमस्थ राहु स्वास्थ्य के अचानक गिरने का योग भी बना रहा है। इसलिए राहु का दान करते रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। करियर में सफलता प्राप्ति के लिए आपको लगातार परिश्रम करने की आवश्यकता है।

6 अप्रैल के बाद पंचम स्थान का गुरु विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा योग बना रहा है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अच्छे संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में कोई विशेष यात्रा का योग नहीं बन रहा है। 6 अप्रैल के बाद नवम स्थान पर गुरू ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी लम्बी यात्रा का प्रबल योग बन रहा है। अष्टम स्थान का राहु समुद्र के माध्यम से विदेश यात्रा करा सकते है।

अपने जन्म स्थान से दूर रहने वाले व्यक्ति अपने परिवार सहित जन्म स्थल की यात्रा कर आनन्द प्राप्त करेंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ साथ स्थानान्तरण होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

यह वर्ष अपने इष्ट देव की कृपा प्राप्ति, ईश्वर भक्ति तथा धार्मिक यात्राओं व मन्दिर निर्माण आदि कार्यों का संकेत दे रहा है।

- राहु मन्त्र का पाठ करें एवं शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने गले मे धारण करें।
- 21 मंगलवार हनुमान जी को चोला चढाएं।

मासिक फलादेश

जनवरी 2021 के लिए फलादेश

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

फरवरी 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

मार्च 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा

पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

अप्रैल 2021 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु प क्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

मई 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

जून 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

जुलाई 2021 के लिए फलादेश

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अगस्त 2021 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त

करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सितम्बर 2021 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अक्तूबर 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी

फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

नवम्बर 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रुके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

दिसम्बर 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।